

पर्यटन निदेशालय, उत्तराखण्ड

पं० दीन दयाल उपाध्याय पर्यटन भवन,

निकट-ओ०एन०जी०सी० हैलीपैड,

गढ़ीकैन्ट, देहरादून ।

संख्या- ३५१९/२-६-९७३/२०१४-१५

दिनांक ३/ मार्च, २०१५

-:कार्यालय आदेश:-

शासनादेश संख्या-२४४/ VI(1)/२०१५-१५(०७)/२०१२, दिनांक ३१ मार्च, २०१५ द्वारा प्राप्त स्वीकृति के आधार पर राज्य सेक्टर की नई योजनाओं के अन्तर्गत मा० मुख्यमंत्री जी की घोषणा के अन्तर्गत घोषणा संख्या-१७७/२०१२ "श्रीमुण्डा महादेव बछणस्यूं में प्रवचन हॉल का निर्माण एवं मंदिर के सौन्दर्यीकरण" तथा घोषणा संख्या-१२६/२०१२ "बधाणीताल-मैठाणा-हरियाली देवी को पर्यटन सर्किट के रूप में विकसित किया जायेगा" ०२ योजनाओं हेतु रू० ११९.०२ लाख के आगणन के सापेक्ष टी०ए०सी० द्वारा तकनीकी परीक्षणोपरान्त संस्तुत धनराशि रू० ११०.६३ लाख की प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान करते हुए वित्तीय वर्ष २०१४-१५ में नई योजना मद में प्राविधानित में से रू० २०.०० लाख (रूपये बीस लाख मात्र) की वित्तीय स्वीकृति प्रदान की गयी है।

२- अतः उक्तानुसार प्राप्त वित्तीय स्वीकृति के क्रम में रू० २०.०० लाख (रूपये बीस लाख मात्र) की धनराशि को निम्न विवरणानुसार आहरित कर निर्माण इकाई गढवाल मण्डल विकास निगम लि० देहरादून को भुगतान किये जाने की स्वीकृति एतद्वारा प्रदान की जाती है:-

(धनराशि लाख में)

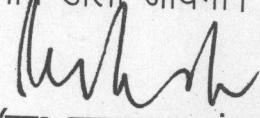
क्र० सं०	योजना का नाम	आगणन की लागत/ टी०ए०सी० द्वारा संस्तुत धनराशि	वर्ष २०१४-१५ में आहरित की जा रही धनराशि	निर्माण इकाई
१	घोषणा संख्या-१७७/२०१२ "श्रीमुण्डा महादेव बछणस्यूं में प्रवचन हॉल का निर्माण एवं मंदिर के सौन्दर्यीकरण हेतु १०.०० लाख मात्र की स्वीकृति प्रदान की जायेगी।"	१८.९२	१०.००	प्रबन्ध निदेशक गढवाल मण्डल विकास निगम लि० देहरादून।
	घोषणा संख्या-१२६/२०१२ "बधाणीताल-मैठाणा- हरियाली देवी को पर्यटन सर्किट के रूप में विकसित किया जायेगा।"	९१.७१	१०.००	प्रबन्ध निदेशक गढवाल मण्डल विकास निगम लि० देहरादून।
	योग:-	११०.६३	२०.००	

(रूपये बीस लाख मात्र)

३- उक्त स्वीकृत धनराशि का आहरण कर इस निदेशालय के आहरण वितरण अधिकारी द्वारा किया जायेगा जो उक्त धनराशि को आहरित कर बैंक ड्राफ्ट के माध्यम से "प्रबन्ध निदेशक गढवाल मण्डल विकास निगम लि० देहरादून" को भुगतान करना सुनिश्चित करेंगे।

गढवाल मण्डल विकास निगम लि० देहरादून का समस्त विवरण निम्नानुसार है:-


- 16- कार्य प्रारम्भ कराने से पूर्व उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली-2008 का अनुपालन सुनिश्चित किया जाय। साथ ही स्वीकृत धनराशि के सापेक्ष अधिप्राप्ति नियमावली-2008 के अन्तर्गत क्रय की जाने वाली सामग्री पर होने वाले व्यय के उपरान्त अवशेष धनराशि राजकोष में जमा कराकर प्रति शासन को उपलब्ध करायी जायेगी।
- 17- कार्य के प्रति पूर्ण भुगतान करने से पूर्व किसी तृतीय पक्ष से इसकी गुणवत्ता की चेकिंग का कार्य उक्त अनुमोदित लागत से कराये जाने के बाद कार्य अनुमोदित आगणन के अनुसार होने की पुष्टि पर ही भुगतान किया जायेगा। अतः निर्माण इकाई Third Party Monitoring की व्यवस्था करेंगे।
- 18- स्वीकृत की जा रही योजना के सापेक्ष निर्माण कार्य 01 वर्ष के भीतर पूर्ण कर लिया जायेगा। इससे सम्बन्धित एव MOU विभाग एवं कार्यदायी संस्था के मध्य किया जायेगा।
- 19- उपरोक्त व्यय वर्तमान वित्तीय वर्ष 2014-15 के लेखाशीर्षक 5452-पर्यटन पर पूँजीगत परिव्यय-80-सामान्य-आयोजनागत-104-संबर्धन तथा प्रचार-04-राज्य सेक्टर-49-पर्यटन विकास की नई योजनाएं-24-वृहत् निर्माण कार्य मानक मद के नामे डाला जायेगा।


(डा० उमाकान्त पंवार)

निदेशक पर्यटन, उत्तराखण्ड।

पृ०प०संख्या- ३५१९ / (1) / 2014-15, समदिनांकित।

- प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-
- 1- महालेखाकार, लेखा एवं हकदारी, उत्तराखण्ड, देहरादून।
 - 2- आयुक्त, गढ़वाल मण्डल पौड़ी।
 - 3- जिलाधिकारी, रुद्रप्रयाग।
 - 4- वित्त अनुभाग-2, उत्तराखण्ड शासन, देहरादून।
 - 5- सचिव पर्यटन/अपर सचिव पर्यटन,, उत्तराखण्ड शासन, देहरादून।
 - 6- वित्त अधिकारी, साइबर ट्रेजरी, 23 लक्ष्मी रोड़, डालनवाला, देहरादून।
 - 7- प्रबन्ध निदेशक गढ़वाल मण्डल विकास निगम लि० देहरादून।
 - 8- आहरण वितरण अधिकारी, मुख्यालय।
 - 9- जिला पर्यटन विकास अधिकारी रुद्रप्रयाग।
 - 10- लोक सूचना अधिकारी, पर्यटन निदेशालय, देहरादून।
 - 11- एन०आई०सी० को बेवसाइड हेतु
 - 12- सम्बन्धित फाईल हेतु।
 - 13- गार्ड फाईल।


(शैलेन्द्र शंकर सिंह)
निदेशक वित्त

1	TIN No.	05000332638
2	PAN No.	AACCG6021E
3	ADDRESS	Garhwal Mandal Vikas Nigam Ltd. 74/4 Rajpur Road Dehradun
4	Mobile No.	9927613186
5	SERVICE TAX NO.	N.A
6	E-MAIL I.D.	gmvnengg@gmail.com
7	BANK NAME	PUNJAB NATIONAL BANK,
8	ACCOUNT NO.	3713000100122262
9	BANK ADDRESS	PUNJAB NATIONAL BANK, Clok Tower Dehradun
10	IFSC CODE	PUNB0371300

- 4- प्रबन्ध निदेशक गढ़वाल मण्डल विकास निगम लि० देहरादून को भुगतान की जा रही धनराशि रू० 20.00 लाख पर नियमानुसार 2 प्रतिशत आयकर रू 40,000/- की कटौती की जायेगी। निर्माण इकाई को भुगतान की जा रही धनराशि की विधिवत रसीद इस कार्यालय को उपलब्ध करायी जायेगी।
- 5- उक्त कार्यदायी संस्था द्वारा उक्त स्वीकृत धनराशि का पूर्ण उपयोग कर एवं उपयोगिता प्रमाण पत्र क्षेत्रीय पर्यटक अधिकारी देहरादून के माध्यम से इस कार्यालय को उपलब्ध कराये जायेगे। साथ ही योजना की वित्तीय एवं भौतिक प्रगति का विवरण प्रत्येक माह की अन्तिम तिथि इस कार्यालय को शासन को एवं क्षेत्रीय पर्यटक अधिकारी देहरादून को अनिवार्य रूप से प्रस्तुत किये जायेगें।
- 6- उक्त स्वीकृत धनराशि इस प्रतिबन्ध के साथ स्वीकृत की जाती है कि मितव्ययी मदों में आवंटित सीमा तक ही व्यय सीमित रखा जाय। यहां यह भी स्पष्ट किया जाता है कि धनराशि का आवंटन किसी ऐसे व्यय को करने का अधिकार नहीं देता जिसे व्यय करने के हेतु पूर्व सक्षम अधिकारी की स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक है। ऐसा व्यय सम्बन्धित की स्वीकृति प्राप्त कर ही किया जाना चाहिये। व्यय में मितव्ययता नितान्त आवश्यक है। व्यय करते समय मितव्ययता के सम्बन्ध में समय-समय पर जारी किये गये शासनादेशों में उल्लिखित निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।
- 7- कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व विस्तृत आगणन/मानचित्र पर सक्षम अधिकारी से प्राविधिक स्वीकृति प्राप्त करनी आवश्यक होगी।
- 8- कार्य पर उतना ही व्यय किया जाये जितनी धनराशि स्वीकृत की गयी है। स्वीकृत धनराशि से अधिक व्यय कदापि न किया जाय।
- 11- कार्य करने से पूर्व समस्त औपचारिकतायें तकनीकी दृष्टि को मध्यनजर रखते हुये एवं लो०नि०वि० द्वारा प्रचलित दरों/विशिष्टियों को ध्यान में रखते हुये निर्माण कार्य को सम्पादित करना सुनिश्चित करें।
- 12- निर्माण सामग्री को उपयोग में लाने से पूर्व सामग्री का परीक्षण प्रयोगशाला से अवश्य करा लिया जाये तथा विशिष्टियों को ध्यान में रखते हुये निर्माण कार्य को सम्पादित करना सुनिश्चित करें।
- 13- स्वीकृत विस्तृत आगणन के प्राविधानों एवं तकनीकी स्वीकृति के आगणन के प्राविधानों में परिवर्तन (केवल अपरिहार्य) स्थिति की दशा में ही करने से पूर्व सक्षम अधिकारी की सहमति अनिवार्य रूप से प्राप्त कर ली जाये।
- 14- स्वीकृत की जा रही धनराशि का उपयोग दिनांक 31 मार्च, 2015 तक अवश्य कर लिया जाय।
- 15- मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश सं०-2047/XIV-219(2006), दिनांक 30 मई, 2006 द्वारा निर्गत आदेशों का कड़ाई से पालन करने का कष्ट करें।